माँ

माँ संवेदना है, भावना है, अहसास है माँ
माँ जीवन के फूलों में खुशबू का वास है माँ

माँ रोते हुए बच्चे का खुशनुमा पालना है माँ
माँ मरूस्थल में नदी या मीठा सा झरना है माँ

माँ लोरी है, गीत है, प्यारी सी थाप है माँ
माँ पूजा की थाली है, मंत्रों का जाप है माँ

माँ आंखों का सिसकता हुआ किनारा है माँ
माँ गालों पर पप्पी है, ममता की धारा है माँ

माँ झुलसते दिनों में कोयल की बोली है माँ
माँ मेंहदी है, कुमकुम है, सिंदूर की रोली है माँ

माँ कलम है, दवात है, स्याही है माँ
माँ परमात्मा की स्वयं एक गवाही है माँ

माँ त्याग है, तपस्या है, सेवा है माँ
माँ फूंक से ठंडा किया हुआ कलेवा है माँ

माँ अनुष्ठान है,साधना है,जीवन का हवन है माँ
माँ जिंदगी है, मुहल्ले में आत्मा का भवन है माँ

माँ चूड़ी वाले हाथों पे मजबूत कंधों का नाम है माँ
माँ काशी है, काबा है, चारों धाम है माँ

माँ चिंता है, याद है, हिचकी है
माँ बच्चे की चोट पर सिसकी है

माँ चूल्हा, धुआँ, रोटी और हाथों का छाला है माँ
माँ जिंदगी की कड़वाहट में अमृत का प्याला है माँ

माँ पृथ्वी है, जगत है, धूरी है
माँ बिना इस सृष्टि की कल्पना अधूरी है

तो माँ की यह कथा अनादि है, अध्याय नहीं है
और माँ का जीवन में कोई पर्याय नहीं है

तो माँ का महत्व दुनियाँ में कम हो नहीं सकता
और माँ जैसा दुनियाँ में कुछ हो नहीं सकता

तो मैं कला की पंक्तियाँ माँ के नाम करता हूँ
मैं दुनियाँ की सब माताओं को प्रणाम करता हूँ।

पिता

पिता जीवन है, संबल है, शक्ति है
पिता सृष्टि के निर्माण की अभिव्यक्ति है

पिता उंगली पकड़े बच्चे का सहारा है
पिता कभी कुछ खट्टा, कभी खारा है

पिता पालन है, पोषण है,
परिवार का अनुशासन है
पिता धौंस से चलने वाला प्रेम का प्रशासन है

पिता रोटी है, कपड़ा है, मकान है
पिता छोटे से परिंदे का बड़ा आसमान है

पिता अप्रदर्शित अनन्त प्यार है
पिता है तो बच्चों को इंतजार है

पिता से ही बच्चों के ढेर सारे सपने हैं
पिता है तो बाज़ार के सब खिलौने अपने हैं

पिता से परिवार में प्रतिपल राग है
पिता से ही माँ का बिंदी और सुहाग है

पिता परमात्मा की जगत के प्रति आसक्ति है
पिता गृहस्थ आश्रम में उच्च स्थिति की भक्ति है

पिता अपनी इच्छाओं का हनन और
परिवार की पूर्ति है
पिता रक्त में दिये हुए संस्कारों की मूर्ति है

पिता एक जीवन को जीवन का दान है
पिता दुनिया दिखाने का अहसान है

पिता सुरक्षा है, सिर पर हाथ है
पिता नहीं तो बचपन अनाथ है

तो पिता से बड़ा तुम अपना नाम करो
पिता का अपमान नहीं, उन पर अभिमान करो

क्योंकि माँ–बाप की कमी कोई पाट नहीं सकता
और ईश्वर भी इनके आशीशों को काट नहीं सकता

विश्व में किसी भी देवता का स्थान दूजा है
माँ–बाप की सेवा ही सबसे बड़ी पूजा है

विश्व में किसी भी तीर्थ की यात्राएं व्यर्थ हैं
यदि बेटे के होते माँ बाप असमर्थ हैं

वो खुशनसीब हैं माँ बाप जिनके साथ होते हैं
क्योंकि माँ–बाप की आशीशों के हजारों हाथ होते हैं

Written by: Pt. Om Vyas "Om"
Brought to you by: GK Group

GK Group

www.askanilsethi.com
www.sysmaticinfo.com

Not for sale : Provided free for Educational institutions & interested children
For further details contact email: matapita@anilsethi.in